दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरू गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आयोजित दीक्षांत समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री गुरू गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स के इस खूबसूरत परिसर में आज आप सभी के बीच आकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई।

उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे ऊर्जावान युवाओं से मिलकर और संवाद करके मुझे सदैव असीम ऊर्जा और स्फूर्ति प्राप्त होती है। आज इस दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता और गुरुजनों को भी बधाई देता हूं।

आपके कॉलेज का नाम महान देशभक्त एवं आध्यात्मिक संत श्री गुरु गोविंद सिंह जी के नाम पर है। उनके जीवन दर्शन से हमें सदा नई प्रेरणा मिलती है। गुरु गोविंद सिंह जी महान योद्धा भी रहे और संत भी। जिन्होंने अध्यात्म का प्रसार किया और शौर्य का परिचय भी दिया।

गुरु गोविंद सिंह जी का संपूर्ण जीवन हमें यह सीख देता है कि हम समाज में अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव के लिए काम करें। हम हर तरह के अत्याचार और दमन का विरोध करें।

आप इस महाविद्यालय में कॉमर्स के विद्यार्थी हैं और कॉमर्स का विद्यार्थी होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी बन जाती है कि आप समाज के लिए अपना कान्ट्रीब्यूशन दें। गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन भी इसी की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज और राष्ट्र के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था।

हजारों साल पहले से ही हमारे यहाँ शिक्षा की समृद्ध गुरुकुल परंपरा रही है। गुरुकुल की उस पद्धति में शिक्षा के साथ हमें जीवन दीक्षा मिलती थी, अच्छे संस्कार और विचार मिलते थे, और विद्यार्थी के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास होता था। गुरु से शिक्षा दीक्षा प्राप्त करके विद्यार्थी को जीवन की नई दिशा मिलती थी।

यह आपका सौभाग्य है कि आपको इस प्रतिष्ठित गुरू गोविंद सिंह कॉलेज में पढ़ने का अवसर मिला। अब आपको अपने जीवन का नया अध्याय शुरू करना है। जो कुछ भी आपने अपने जीवन में अपने माता पिता से, गुरुओं से, इस कॉलेज से और अपने अनुभवों से सीखा है, अब समय आ गया है कि हम उसके आधार पर अपना करिअर तो बनाए ही, इसी के साथ समाज में भी अपना सक्रिय योगदान दें। जिम्मेदारी का यह भाव हमें अपनी समृद्ध भारतीय परंपरा से मिलता है। भारत का इतिहास बहुत गौरवशाली परंपरा का इतिहास रहा है। हम आज आधुनिकता के साथ अपनी गौरवशाली विरासत का सम्मान करें।

आज के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, हम जब आजादी के 75 साल की यात्रा पूरी करके अमृत काल से गुजर रहे हैं, ऐसे समय पर हमें अध्यात्म, अपनी विरासत और आधुनिकता को साथ लेकर आगे बढ़ना है।

भविष्य में आप किसी कंपनी में जाएंगे, किसी संस्थान का नेतृत्व करेंगे, चार्टर्ड अकाउन्टन्ट बनेंगे, कंपनी सेक्रेटरी बनेंगे, टैक्सेशन में जाएंगे, या भविष्य में अपना व्यापार करेंगे, तब आपने यहाँ जो ज्ञान और अनुभव प्राप्त किया है, वह बहुत उपयोगी सिद्ध होगा। जो कुछ भी आपने यहाँ शिक्षा प्राप्त की है और जो आपके जीवन का अनुभव है, यह आपके ज्ञान का संचय है। यह संचय कभी समाप्त नहीं होता है। यह आपके जीवन का स्वर्णिम काल है। इसमें आप जितना ज्ञान और अनुभव प्राप्त कर सकते है, प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं, करिए। यह जीवन भर आपके काम आएगा। जो कुछ भी आप जीवन में अभी हासिल कर लेंगे, वह हमेशा आपका मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको अपने निर्धारित लक्ष्य की तरफ बढ़ाएगा।

सारी दुनिया आज भौतिक साधन के सहारे आगे बढ़ रही है। लेकिन हम विरासत और आधुनिकता को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए भारत के डॉक्टर, भारत के इंजीनियर, भारत के साइन्टिस्ट, भारत के एंटरप्रिन्योर से बेहतर दुनिया में नहीं है।

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ नौकरी करना और धन कमाना नहीं होता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्तित्व का निर्माण करना होता है। और व्यक्तित्व के निर्माण से राष्ट्र का निर्माण हमारा ध्येय होना चाहिए।

आज व्यक्तित्व के निर्माण के लिए यह जरूरी है कि हम अपने मूल्यों से, अपनी जड़ों से जुड़े रहे। हम अपनी संस्कृति पर गर्व करें। हम अपनी विरासत पर गर्व करें।

युवाओं ने हमेशा से दुनिया को राह दिखाई है। इस दुनिया का भविष्य कैसा होगा, यह आप आज जो कार्य करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

समय के साथ साथ देश और दुनिया की आवश्यकताएं भी बदलती हैं, प्राथमिकताएं भी बदलती हैं। आप युवाओं को इस बदलाव को पहचानकर आगे बढ़ना चाहिए।

नव युग का नव सृजन तुम्हारे हाथ में है**,** उठो – जागो, आगे बढ़ो। कॉलेज-यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले युवाओं का दायित्व है कि वो समय के साथ अपडेट रहे। अपने आप को स्किल, री-स्किल और अप स्किल करता रहे। हमेशा अपना बेटर वर्जन बनने का प्रयास करें।

मैं आप विद्यार्थियों से कहना चाहता हूँ कि आप अपनी नॉलेज को हमेशा अप-टू-डेट रखें। वर्तमान में क्या चल रहा है, भविष्य में क्या हो सकता है, सरकार की क्या योजनाएं हैं, क्या फ्यूचर प्लानिंग है! तकनीक किस तरह से विकास कर रही है, इसका आगे क्या एप्लीकेशन हो सकता है! इन सभी विषयों पर नौजवानों को अपडेट रहना चाहिए।

आपको इस महाविद्यालय के रूप में ऐसा बेहतरीन प्लेटफ़ॉर्म मिला है**,** जहाँ आप अपने 'आउट ऑफ द बॉक्स' सोच से कॉमर्स के क्षेत्र में एक बदलाव ला सकते हैं।

कई सौ साल पहले भारत शिक्षा का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। दुनिया भर से जो लोग ज्ञान की चाह रखते थे, वो भारत आते थे, यहाँ नालंदा, तक्षशिला जैसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ते थे।

भारत के पास आज भी वह सामर्थ्य है। आज भी दुनिया हमसे बहुत कुछ सीखती है। हमारा लोकतंत्र, हमारा ज्ञान, दर्शन, विचार, अध्यात्म, योग आदि क्षेत्रों में दुनिया आज भी हमसे सीखती है।

आज हमारे ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म स्वयं से जुड़कर करीब **3** करोड़ लोग ऑनलाइन एजुकेशन प्राप्त कर रहे हैं।

आज 21वीं सदी में भारत 21वीं सदी की टेक्नॉलजी और नई सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी, तकनीकी और डिजिटलाइजेशन को साकार करते हुए हमारा देश दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है, क्योंकि आप जैसे होनहार युवा आज लीडरशिप कर रहे हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों में, बड़े-बड़े संस्थानों में आज भारतीय युवा नेतृत्व कर रहे हैं।

हमारे देश ने अपनी स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। अब अगले 25 वर्षों में देश विकास के नए सपने लेकर चल रहा है। आजादी के अमृतकाल की इस यात्रा में आपकी भूमिका सर्वप्रमुख होगी**,** मुझे ऐसा विश्वास है।

विकसित और उन्नत भारत का निर्माण हमारी आकांक्षा है। हमें अपनी संस्कृति और ज्ञान के बल पर इस दिशा में आगे बढ़ना होगा।

गुरु गोविंद सिंह कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी के आप युवा छात्र देश के हर युवा को आगे बढ़ने की दिशा दें**,** उन्हें प्रेरणा दें**,** उन्हें प्रोत्साहित करें। इसी संदेश के साथ आपको बहुत बहुत शुभकामनाएं। एक बार पुनः आज यहाँ से डिग्री प्राप्त करनेवाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाइयाँ।